RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RIICO missiongyan

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Forest and Wildlife Resources

CHAPTER -02 | PART-02

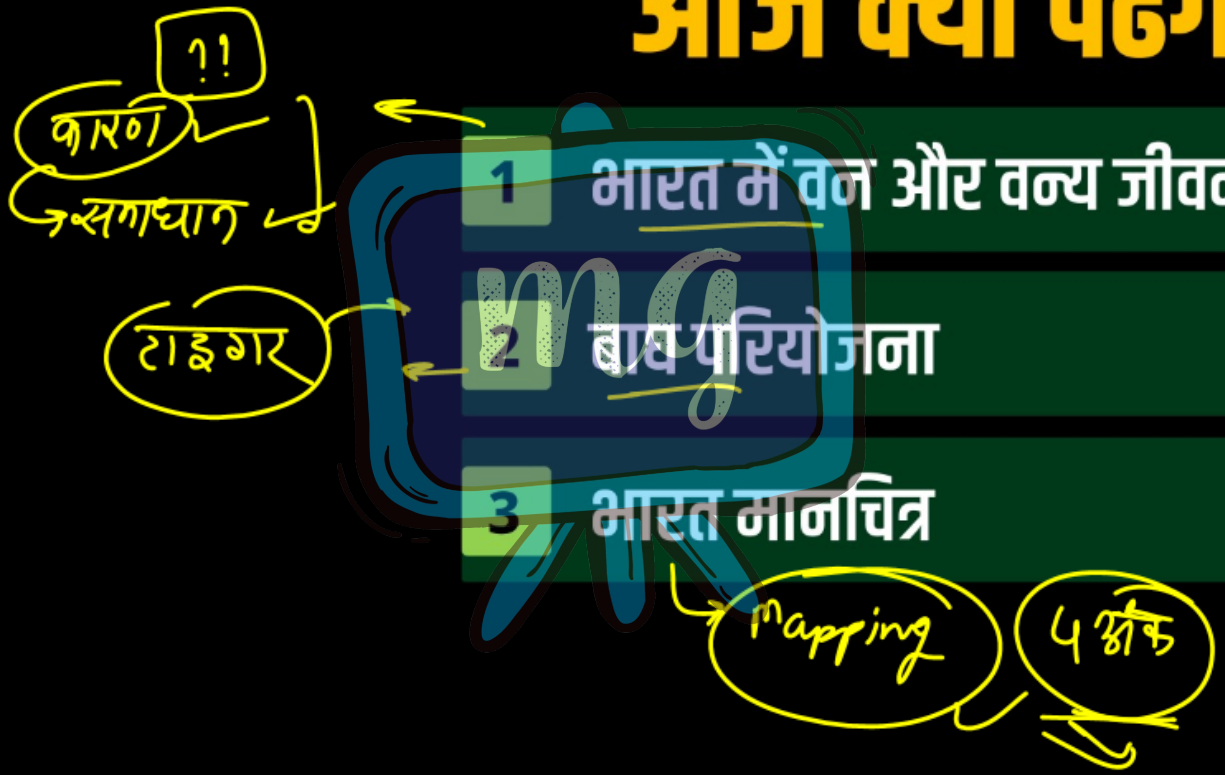
एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

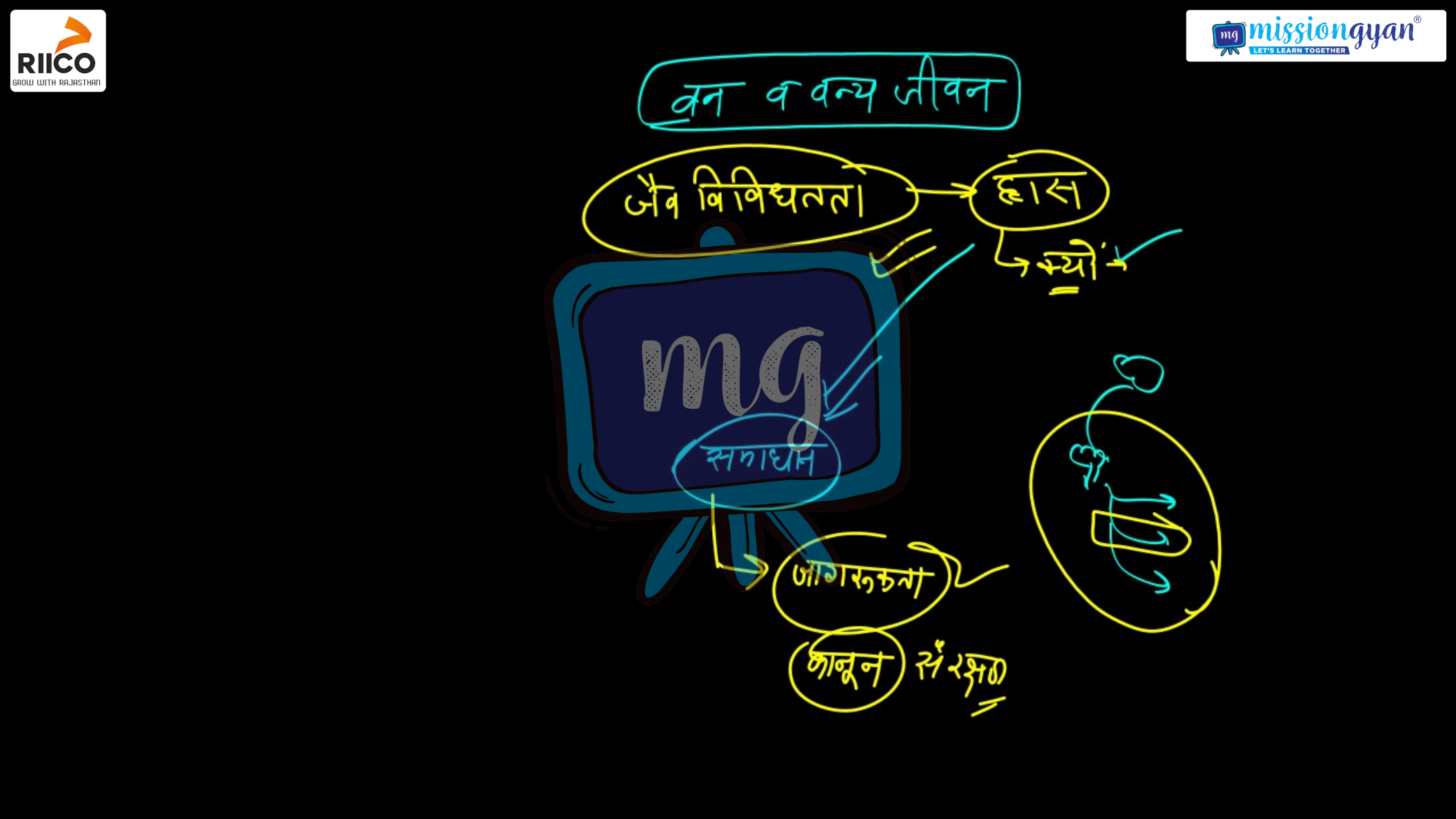


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?




वन व वन्य जीवन
जैव विविधता
ह्रास
क्यों
समाधान
जागरूकता
कानून
संरक्षण

राष्ट्रीय वन नीति → 1952

→ 33% → वन

1960 व 1970 के दशक

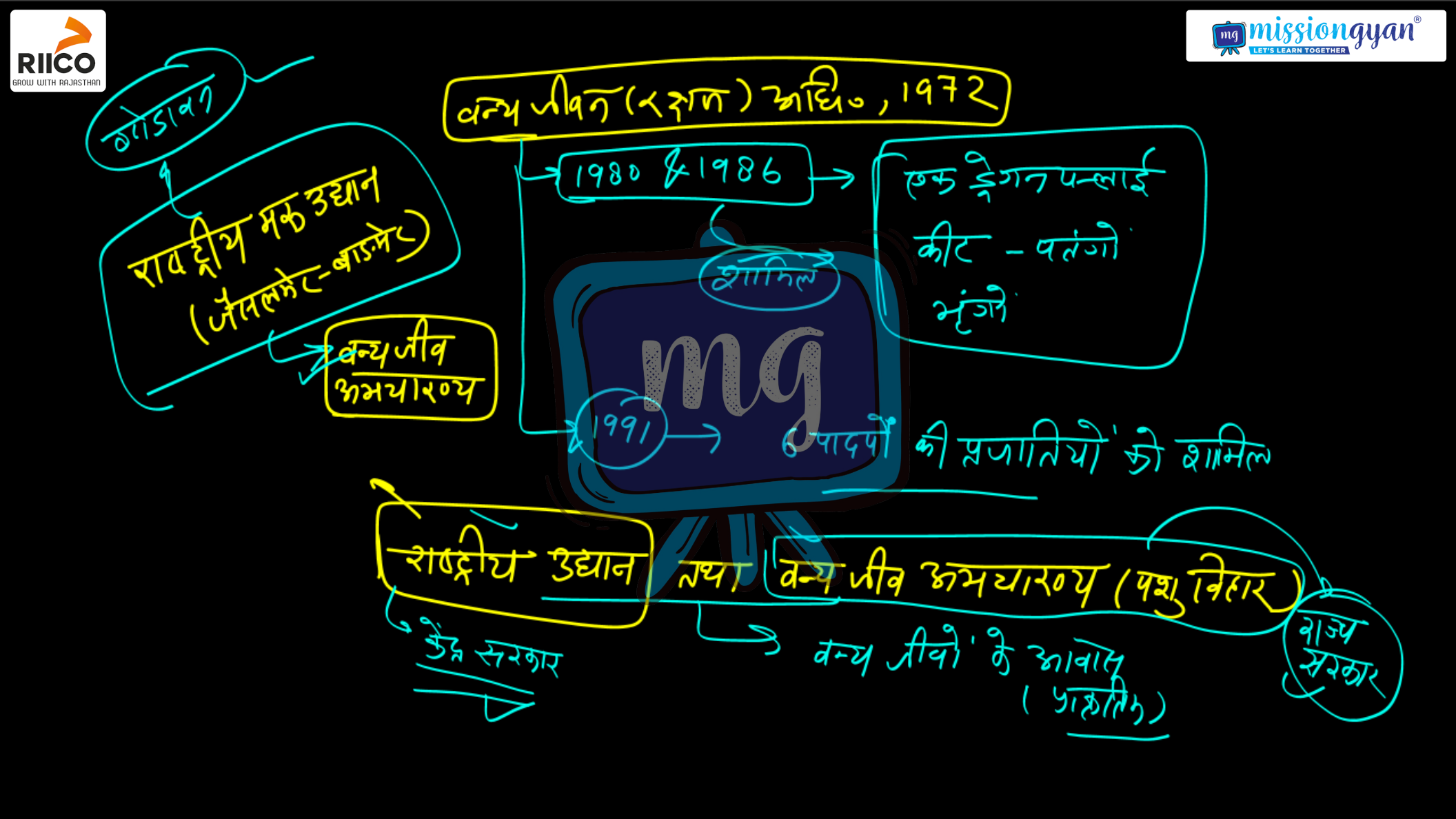
→ पर्यावरण विद व संरक्षक

→ पर्यावरण & वन्य प्राणियों का संरक्षण

भारतीय वन्य जीवन (रक्षण) अधिनियम, 1972

→ आवासों का संरक्षण

→ संरक्षित जातियों की सूची प्रकाशित


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
वन्य जीवन (रक्षण) अधि०, 1972
1980 & 1986
एक ड्रैगन फ्लाई
कीट - पतंगो
भृंगो
शामिल
1991
पादपों की प्रजातियों को शामिल
गोडावण
राष्ट्रीय मरु उद्यान
(जैसलमेर-बाड़मेर)
वन्य जीव अभयारण्य
राष्ट्रीय उद्यान
तथा
वन्य जीव अभयारण्य (पशु विहार)
केंद्र सरकार
वन्य जीवों के आवास
(प्राकृतिक)
राज्य सरकार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण

वन्य जीवन और वनों में तेज गति से हो रहे ह्रास के कारण इनका संरक्षण बहुत आवश्यक हो गया है

वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना आवश्यक क्यों है?

- पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है
- हमारे जीवन-साध्य संसाधन (जल, वायु और मृदा) बने रहते हैं।

नवीकरणीय



- 1960 और 1970 के दशकों के दौरान, पर्यावरण संरक्षकों ने *राष्ट्रीय वन्यजीवन सुरक्षा कार्यक्रम* की पुरजोर माँग की।
- 1972 में भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम लागू किया गया जिसमें वन्य जीवों के आवास रक्षण के अनेक प्रावधान थे।

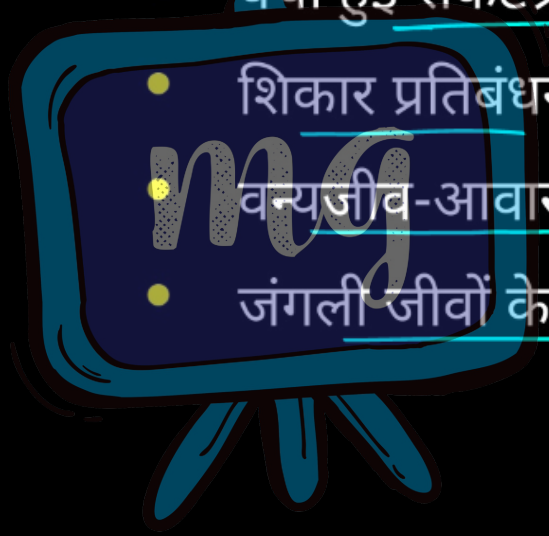
सम्पूर्ण भारत में रक्षित जातियों की सूची प्रकाशित की गई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

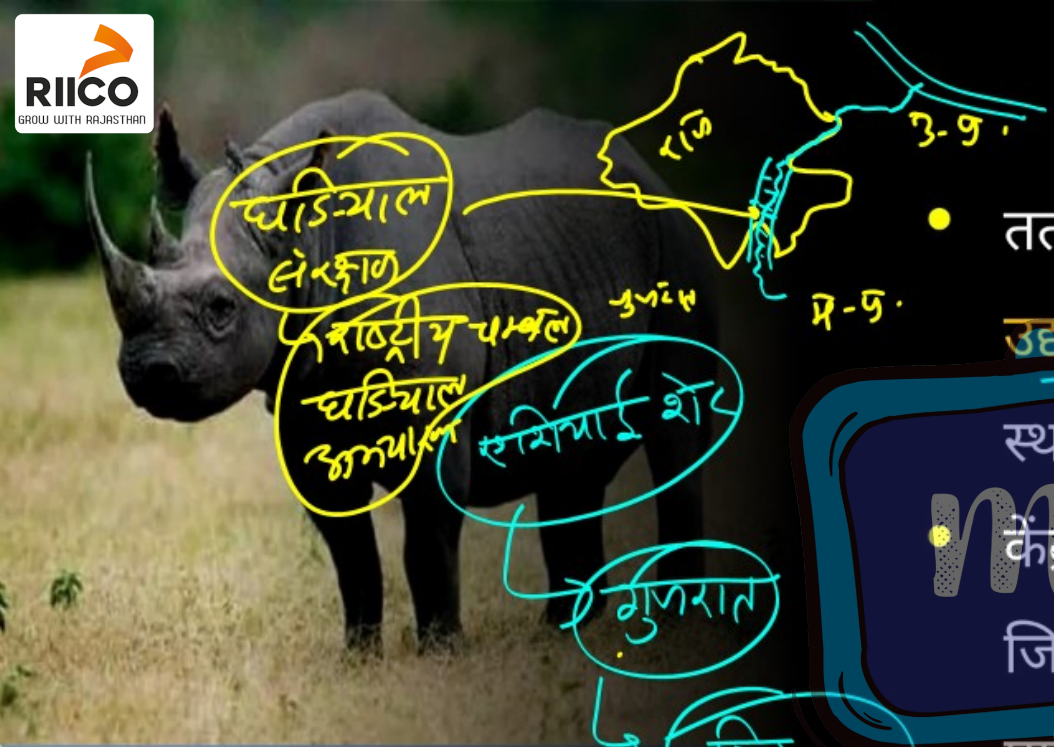
इस कार्यक्रम के तहत निम्न पर जोर दिया गया है—

- बची हुई संकटग्रस्त जातियों के बचाव
- शिकार प्रतिबंधन
- वन्यजीव-आवासों का कानूनी रक्षण
- जंगली जीवों के व्यापार पर रोक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



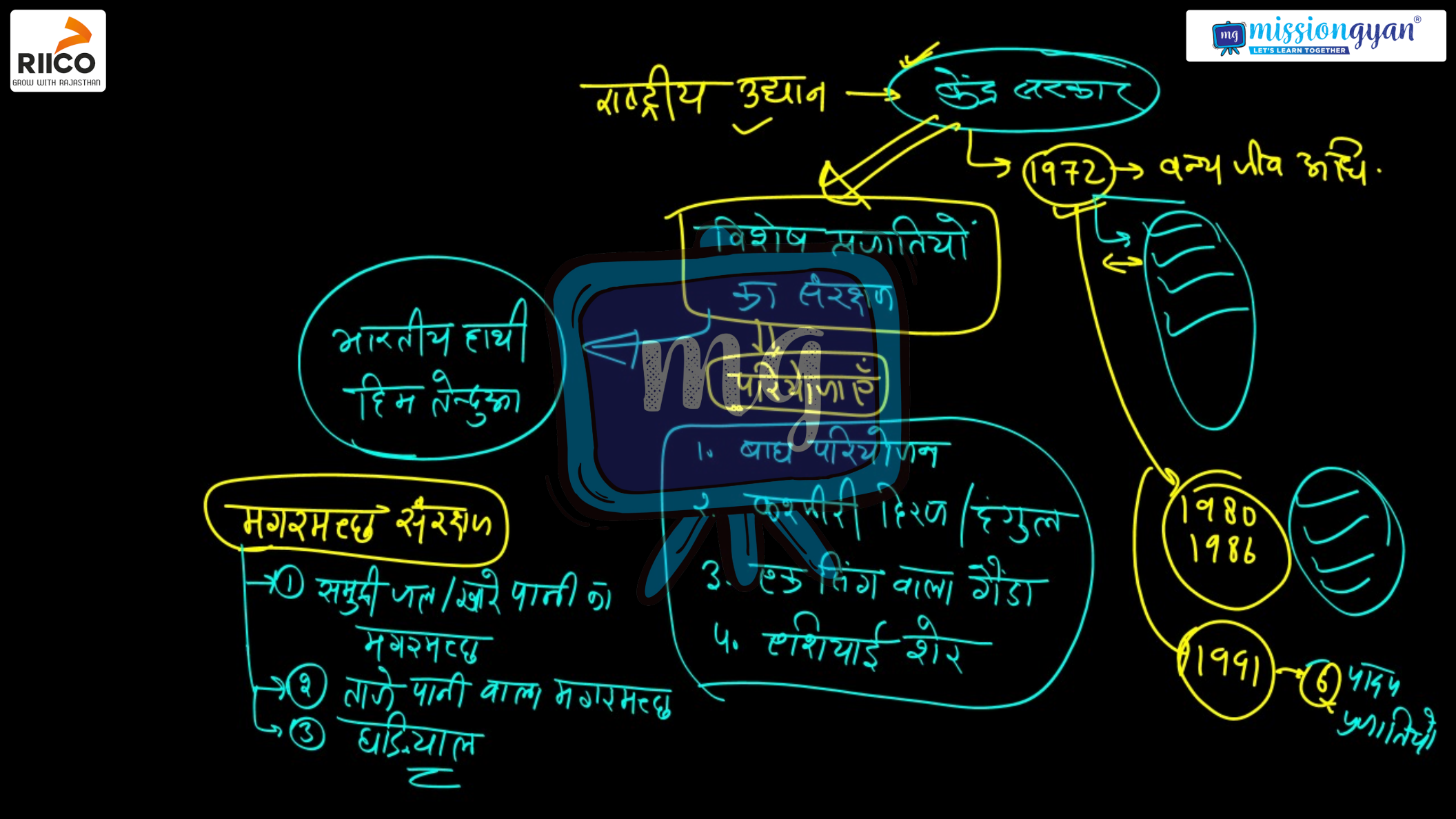
- तत्पश्चात् केंद्र-सरकार व कई राज्य-सरकारों ने राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभयारण्य (Sanctuary) स्थापित किए।
- केंद्र-सरकार ने कई परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनका उद्देश्य गंभीर खतरे में पड़े कुछ विशेष वन्य-प्राणियों को रक्षण प्रदान करना था।

बाघ, एक सींग वाला गैंडा, कश्मीरी हिरण (हंगुल), मगरमच्छ (स्वच्छ-जल मगरमच्छ, लवणीय-जल मगरमच्छ और घड़ियाल), एशियाई शेर आदि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER







- वन्य-जीव अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचना (1980 और 1986) के तहत् सैकड़ों तितलियों, पतंगों, भृगों और एक ड्रैगनफ्लाई को भी संरक्षित जातियों में शामिल किया गया है।
- 1991 में पौधों की 6 जातियाँ भी पहली बार इस सूची में रखी गई।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त, कुछ समय पहले भारतीय हाथी, काला हिरण, चिंकारा, भारतीय गोडावन (Bustard) और हिम तेंदुओं आदि के शिकार और व्यापार पर संपूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाकर कानूनी रक्षण दिया है।







RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बाघ परियोजना

वन्यजीवन संरचना में बाघ (Tiger) एक महत्त्वपूर्ण जंगली जाति है।

देश में बाघों की अनुमानित संख्या

20वीं शताब्दी के आरंभ में → 55,000

1973 में → 1,827

कमी → कारण → अवैध शिकार
→ अवैध व्यापार → नेपाल & भारत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



बाघों की घटती संख्या के मुख्य कारण —

- बाघों को अवैध शिकार/व्यापार (खाल, हड्डियों का औषधियों में प्रयोग);
- आवासीय स्थलों का सिकुड़ना;
- जनसंख्या-वृद्धि;
- भोजन के लिए आवश्यक जंगली जातियों की संख्या कम होना;

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

66.66%

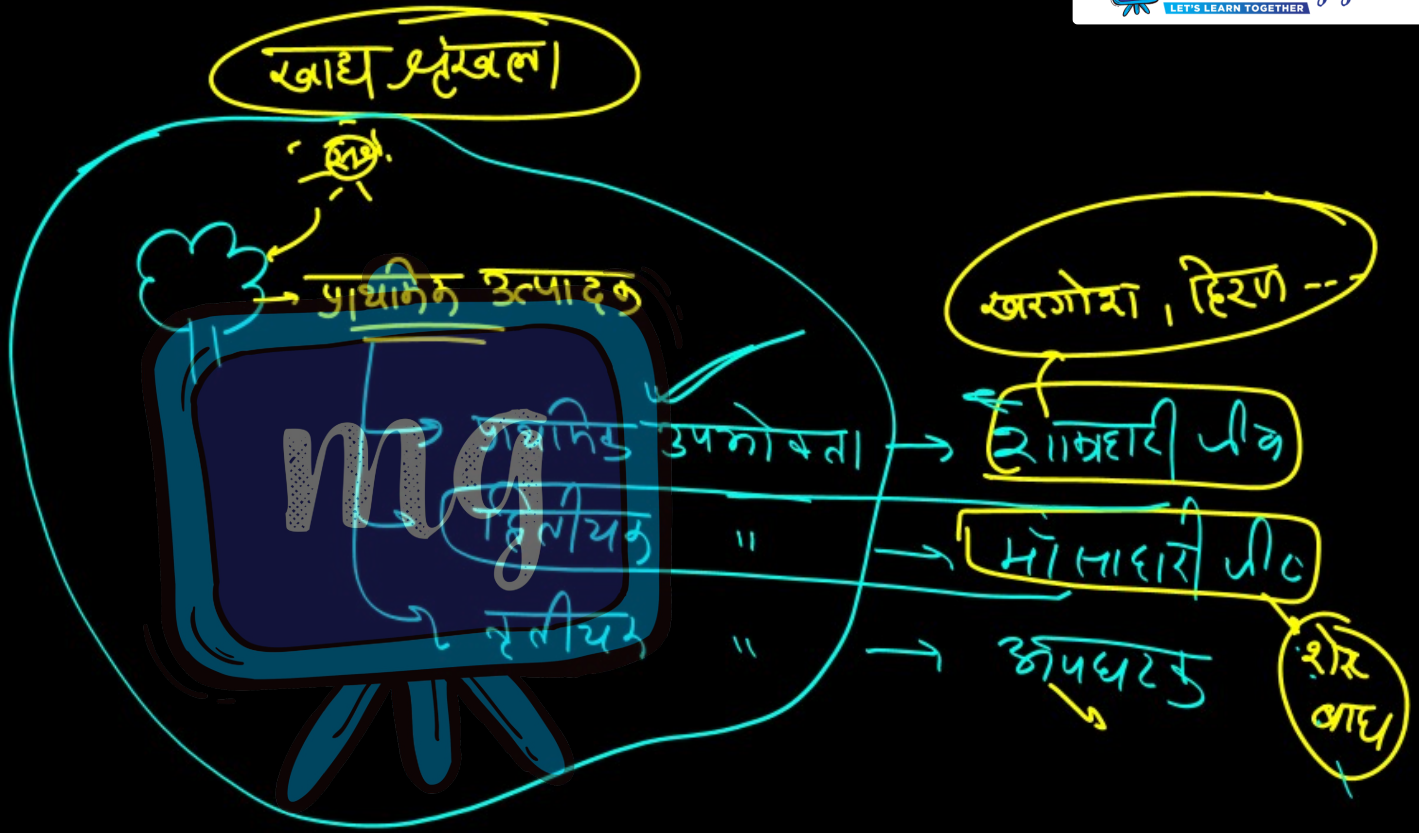
चूँकि भारत और नेपाल दुनिया की दो-तिहाई बाघों का आवास हैं, अतः ये शिकार, चोरी और गैर-कानूनी व्यापार करने वालों के मुख्य निशाने पर हैं।

बाघ परियोजना



प्रोजेक्ट टाईगर (Project Tiger)

- शुरुआत : 1973 में
- विश्व की बेहतरीन वन्य जीव परियोजनाओं में से एक बाघ संरक्षण मात्र एक संकटग्रस्त जाति को बचाने का प्रयास नहीं है, अपितु इसका उद्देश्य बहुत बड़े आकार के जैवजाति को भी बचाना है।


खाद्य शृंखला
प्राथमिक उत्पादक
खरगोश, हिरण ---
प्राथमिक उपभोक्ता
द्वितीयक "
तृतीयक "
मांसाहारी जीव
अपघटक
शेष बाघ

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

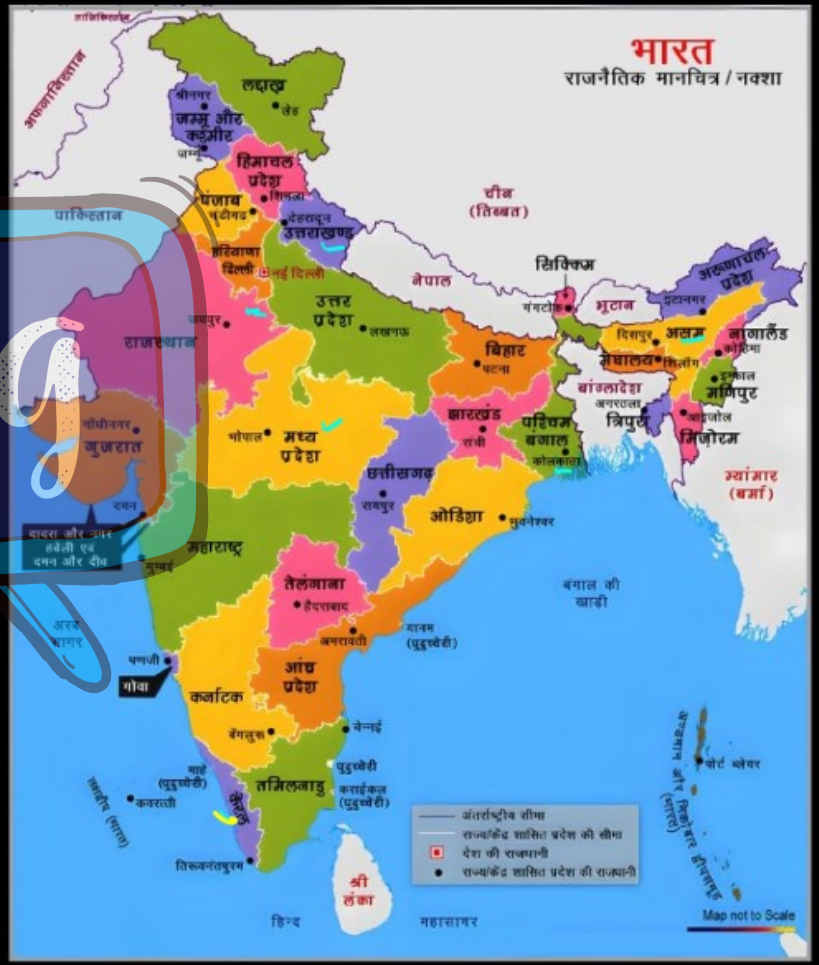


भारत में बाघ संरक्षण परियोजनाएं —

- कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश)
- सरिस्का बाघ रिजर्व (राजस्थान)
- सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल)
- मानस बाघ रिजर्व (असम)
- पेरियार बाघ रिज़र्व (केरल)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थान → 1 से 12 तक
लौह अयस्क खाने

1. गुआ (झारखण्ड)
2. सुन्दरगढ़
3. कुन्देझर
   ओडिशा
4. दुर्ग (छत्तीसगढ़)
5. बैलाडिला (बस्तर जिला)
   छत्तीसगढ़
6. चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

कर्नाटक
7. → बल्लारि
8. → चित्र दुर्ग
9. → तुमकुर
10. → चिक्कमगलुरु
11. → कुद्रेमुख



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

⑦ → जगदीशपुर
⑧ → मौरैया
⑨ → शाहजहाँपुर
⑰ → साहिबाबाद

गुजरात
1. हजीरा
2. अकलेश्वर
3. वडोदरा
4. कलोल

मध्यप्रदेश
5. झाबुआ
6. विजयपुर

